प्रपत्र 3 (1)

वंशावली

अधिनियम की धारा 5 (1)

सेवा में,

शिविर प्रभारी
अंचल.....
जिला.....

विषयः— स्वयं की वंशावली समर्पित करने के संबंध में।

महाशय,

उपरोक्त विषय के सम्बन्ध में सूचित करते हुए कहना है कि मैं/हमलोग

(i) श्री/श्रीमती.....पुत्र/पुत्री/पत्नी श्री.....

(ii) श्री/श्रीमती..... पुत्र/पुत्री/पत्नी श्री.....

(iii) श्री/श्रीमती..... श्री/श्रीमती.....
पुत्री (यों), पत्नी.....निवासी.....ग्राम.....
थाना.....अंचलः—..... जिला.....**जाति.**.....
ने भूमि जिसका विवरण आवेदन के साथ संलग्न प्रपत्र ।। में अंकित है स्व.....
..... पिताः—..... ग्राम .....
.
जो राजस्व ग्रामः—..... अंचलः—.....के जमाबंदी क्रमांक संख्या.....
.....में प्रविष्ट थे, की...../खतियान में अंकित खाता संख्या.....खेसरा संख्या.....रकबा.....
...लगान..... को उत्तराधिकार/बंटवारा के आधार पर हित अर्जित किया है।
मैं/हमलोगों निम्न वंशावली/वंशवृक्ष से उत्तराधिकारी के आधार पर हित आर्जित किया हूँ/हैं। वंशावली/वंशवृक्ष (मुल खतियान/पंजी—।। के अनुसार)
(नीचे वंश वृक्ष टेबल फार्म बनायें)

मैं/हमलोगों का उल्लेखित भूमि पर शान्तिपूर्ण दखल—कब्जा है तथा भूमि स्वत्ववाद एवं विवाद से मुक्त है। मैं/हमलोगों की वंशावली, खतियान/जमाबंदी पंजी के अनुसार निम्नरूपेण है। अतः अनुरोध है कि प्रपत्र में अंकित वंशावली के आधार पर तथा प्रश्नगत भूमि में उत्तरधिकार के आधार पर मेरे/हमलोगों के नाम पर सर्वेक्षण प्रक्रिया से तैयार होने वाले अभिलेख में खाता खोलकर सम्बन्धित खेसरों को उसमें प्रविष्ट करने की कृपा की जाय।

अनुलग्नक—याचिकार्त्ता/(ओ) का वंशवृक्ष

विश्वासभाजन

याचिकाकर्त्ता (ओं) का हस्ताक्षर